वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 57 | शुक्रवार 21 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आमजन के अभाव अभियोग के निस्तारण के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संवेदनशील

मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में जिला कलक्टर ने किया आमजन की समस्याओं का मौके पर निस्तारण

जयपुर. शाबाश इंडिया

माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन के अभाव अभियोगों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर संवेदनशील हैं। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल ने पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन को नियमित जनसुनवाई के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जिला कलक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला की जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें जिला कलक्टर सहित अन्य अधिकारियों ने 125 परिवादियों के परिवाद सुने, जिनमें से 16 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। अन्य प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के लिए कलक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिला स्तरीय जनसुनवाई में कुल 125 प्रकरण प्राप्त हुए जिनमें प्रमुख रूप से अतिक्रमण हटवाने पेयजल की सप्लाई सुचारू कराने, कृषि भूमि में आवागमन हेतु

8 विधायकों की मौजूदगी में जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में 125 फरियादियों की हुई सुनवाई

रास्ता खुलवाने वृद्धावस्था पेंशन, सड़क, आवासीय पट्टा, बनवाने नामांतरण जमीन विवाद सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आमजन के प्रति जवाबदेही के साथ समस्याओं का निस्तारण करते हुए राहत देने के निर्देश दिए। बैठक में सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, जमवारामगढ़ विधायक महेन्द्र मीणा, चौमूं विधायक शिखा मील बराला, आमेर विधायक प्रशान्त शर्मा, फुलेरा विधायक विद्याधर चौधरी, आदर्श नगर विधायक रफीक खान, चाकसू विधायक राम अवतार बैरवा, पुलिस अधीक्षक (जयपुर ग्रामीण) शांतनु कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) राजकुमार कस्वां, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) लोकेश मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) शैफाली कुशवाह, अतिरिक्त जिला कलक्टर अलका विश्नोई, सहायक निदेशक सुशीला मीणा, सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से साकार होगा विकसित भारत का सपना

नवीन शिक्षा नीति से मिलेंगे युवाओं को कौशल विकास के बेहतर अवसर : उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द

जयपुर. शाबाश इंडिया

उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षामंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत युवाओं को गुणवत्तपूर्ण शिक्षा के साथ कौशल विकास के भी बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प की नींव बताया। उन्होने कहा राज्य सरकार इस दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री गुरूवार को एक निजी होटल मे आयोजित एज्यूकेशनल एक्सीलेन्स कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने शिक्षा से जीवन को अंधेरे से उजाले की तरफ ले जाने का एक मात्र माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र मे बेहतर कार्य करने में सक्षम बनाती है। उन्होंने युवाओं से हर परिस्थिति में जज्बे के साथ शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढने की अपील की। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तुकोगंज जैन समाज द्वारा योग शिविर का आयोजन

इंदौर. शाबाश इंडिया

अंतर राष्ट्रीय योग दिवस पर भारत के सभी नगरों एवम गांवों में योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित हो रहे है,यह देश समाज हित में स्वथ्य भारत का सर्वाधिक उपयोगी कार्यक्रम है इसी श्रृंखला में समोशरण मंदिर में आयोजित शिविर में समाज जन बढ़-चढ़ भाग ले रहे हैं और अपने तन और मन को स्वस्थ रखने की कला सिख रहे हैं। शिविर के चौथे दिन तुकोगंज जैन समाज की अध्यक्ष श्रीमती रानी जी दोशी द्वारा सभी को कल योग दिवस पर शिविर में सहभागिता के लिए सभी समाज जन से आह्वान किया। योग गुरु ब्रह्मचारिणी रजनी दीदी एवं टीम द्वारा योग अभ्यास की बारीकियों से अवगत कराया। सभी ने रजनी दीदी को आज जन्मदिन की बधाई दी।

निशुल्क परिंडा वितरण अभियान 23 को

उदयपुर. शाबाश इंडिया। पशु पक्षियों की सेवा तथा उन्हें सड़क पर ही चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने को समर्पित संस्था ''इनोसेंट स्ट्रीट फ्रेंड्स सोसाइटी'' की ओर से परिंडा अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत 23 जून, रविवार सुबह 6 बजे से फिश एक्वेरियम के पास, फतहसागर पर निशुल्क परिंडा वितरण अभियान की शुरूआत की होगी। अध्यक्ष अशोक जोशी ने बताया कि इस अभियान द्वारा उदयपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों हेतु निःशुल्क परिंडे वितरण किए जाएंगे। इससे पूर्व जनवरी में श्वानों के लिए निशुल्क रिफ्लेक्टिव कॉलर बांधने का अभियान चलाया गया था, जिसके द्वारा वे रात्रि के अंधेरे में वाहनों से होने वाली दुर्घटना से बच सकें। उन्होंने बताया कि परिंडा अभियान में शामिल होने के लिए 9829458885 तथा 7425966655 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

-रिपोर्ट/ फोटो: दिनेश शर्मा, अर्जेंट स्टूडियो

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु सघन वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु सघन वृक्षारोपण का आयोजन बुधवार दिनांक 19 जून 2024 को प्रातः 10 बजे भट्टारक जी की नाशियाँ में किया गया । दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मेन के मीडिया प्रभारी प्रमोद जैन भँवर ने बताया की यह पुनीत कार्य अध्यक्ष धेनु कुमार जैन व मंत्री हीरा चंद बैद व कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन के निर्देशन में हुआ।इस अवसर पर डॉ राजेंद्र जैन, डॉ णमोकार जैन, महेंद्र छाबड़ा, जी.एल. सेठी, वीर कुमार जैन, पारस जैन आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दीवान मंदिर भद्दी चन्द जी के चुनाव निर्विरोध संपन्न

दिनेश शाह अध्यक्ष, राज प्रमोद शाह मंत्री बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। दीवान मंदिर भद्दी चन्द जी घी बालो का रास्ता, दीवान मंदिर भद्दी चन्द जी सांगानेर, दीवान मंदिर भद्दी चन्द जी आमेर की कार्य कारणी के सर्व सहमति से चुनाव सम्पन्न हुए । नई कार्यकारणी में दिनेश शाह अध्यक्ष, संजय वैध कपृडद्वारा उपाध्यक्ष, राज प्रमोद शाह मंत्री, रवि शाह कोषाध्यक्ष, रवि दीवान उप मंत्री, प्रमोद वैध कपृडद्वारा, मुकेश शाह, जीतेंद्र शाह, संजीव पांडया, राजीव शाह, अनिल वैध कार्यकारिणी सदस्य बने।

पूरन राव स्मृति सम्मान समारोह

लक्ष्मणगढ़ के राघव पंवार को पत्रकारिता का राष्ट्रीय पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिंक सिटी प्रेस क्लब जयपुर के भैरोंसिंह शेखावत सभागार में पत्रकारिता का राष्ट्रीय सम्मान पूरन राव स्मृति इंडियन मीडिया अवार्ड 2024 दिए गए।पत्रकारिता के उत्कृष्ट मापदंडों पर खरा उतरने के संदर्भ में प्रदान किए जाने वाला राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान के लिए लक्ष्मणगढ़ के पत्रकार राघव पंवार का चयन किया गया। पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित समारोह में जयपुर शहर भाजपा सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, जयपुर के हवा महल क्षेत्र से विधायक बालमुकुंदाचार्य और पिंक सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सहित अतिथियों ने लक्ष्मणगढ़ के राघव पंवार को यह सम्मान प्रदान किया।प्रतिवर्ष 20 की संख्या में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू कश्मीर, मप्र. सहित देश के विभिन्न जगहों से आए पत्रकारों को प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय एकता के प्रतीक-संत कबीर

संत कबीर का जन्म (विक्रम संवत 1398)में उन परिस्थितियों में हुआ जब भारत की सामाजिक सांस्कृतिक स्थिति बहुत ही दयनीय थी ' सिद्धांत हीन ,आदर्शहीन मूल्यहीन और चरित्रहीन समाज में मानव जीवन दु भर था तथा राजनीतिक ,धार्मिक परिस्थितियों और प्रवृत्तियों ने और अधिक जर्जर बना दिया ' उस समय मुस्लिम धर्म का बोलबाला था ' देश में अराजकतार चरम स्तर पर थी और वेद तथा उपनिषद की स्वर्णिम युगों से निकलकर कर्मकांड, जातिवाद, छुआछूत, पाखंड आदि विसंगतियां ने स्थान ले लिया ' विधवाओं की दुर्दशा थी ,उन्हें डरा धमकाकर पति की चिता के साथ जला दिया जाता था या फिर छोटी बड़ी भूल के कारण वि धर्मियों को सुपुर्द कर दिया जाता था ' विधवाओं को विवाह की स्वतंत्रता नहीं थी ' ऐसी ही परिस्थितियों में एक विधवा ब्राह्मणी समाज के भय से अपने नवजात शिशु को काशी के अगरतला तालाब के किनारे पगडंडी पर रख गई ' उस बच्चे को मुसलमान समुदाय के जुलाहा परिवार माता नी मा तथा पिता नीरू ने पाल पोस कर बड़ा किया जो संत कबीर के नाम से हुए प्रसिद्ध हुए। कबीर ने कभी औपचारिक शिक्षा ग्रहण नहीं की ' अनपढ़ होते हुए भी उनको जीवन के कई क्षेत्रों के बारे में जानकारी थी ' साधु-संतों, फकीरों की संगत से उन्होंने उपनिषद ,योग आदि का ज्ञान प्राप्त कर लिया ' अनुभव की पाठशाला का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा ' कबीर का जीवन यथार्थवादी था ' ईर्ष्या, द्वेष संकीर्णता मुक्त हृदय उनके जीवन की यथार्ता का परिचायक है ' उनका एक वाक्य ''मैं कहता हूं आंखन देखी, तू कहता है कागज लेखी''- यथार्थ को स्पष्ट करता है ' कबीर स्वामी रामानंद जो वैष्णव धर्म को मानने वाले थे उनसे बहुत प्रभावित थे तथा उन्हें अपना गुरु बनाना चाहते थे लेकिन रामानंद जी ने उन्हें गुरु बनाने से इनकार कर दिया ' तब कबीर ने एकलव्य का रास्ता अपनाते हुए काशी की मणिकर्णिका घाट पर लेट लेट गए ' ब्रह्म मुहूर्त में रामानंद जी जब गंगा स्नान करने के लिए आए तो उनके पांव कबीर पर पड़ गया तब रामानंद जी पीछे हटकर राम-राम बोले और कबीर ने उनके पांव पकड़ लिए और कहा आज से मेरे आप गुरु है क्योंकि आपने राम-राम का गुरु मंत्र मुझे दे दिया है ' यही उनकी दृढ़ता का प्रतीक है ' 15 वर्ष की आयु में विचार आया तेरा जीवन महान प्रयोजन के लिए है ऐसा सोचकर नित्य कार्यों को निपटा कर गांव-गांव ,नगर नगर जन भावना को बदलने का अलख जगाया ' इसके प्रभाव से उनके हजारों समर्थक हो गए ' कबीर का मार्ग धर्म प्रचार का ,आचरण की शुद्धता का , लोक कल्याण का सांप्रदायिक सद्भाव का तथा दुष्प्रवृत्तियों का निवारण एवं उन्मूलन पर अवलंबित था ' निहित स्वार्थी तत्वों ने जब अपने व्यवसाय में धक्का लगाते देखा तो बौखला गए जो लोग वंश और वेश के आधार पर मालामाल हो रहे थे, वह उनके प्राणों के ग्राहक हो गए ' कई बार धर्मावलंबियो के आक्रमण हुए ' सिकंदर लोदी के दरबार में उन्हें राजद्रोहि घोषित किया गया ' ईश्वर होने का अभियोग लगाया तथा दरबार में उन्हें काफिर कहा गया , मृत्यु दंड दिया गया , लोहे की बेड़िया और हथकड़ियां से बांधकर नदी में डुबोया गया , लेकिन जंजीरें एवं वेड़िया टूट गई और वह नदी के किनारे आ गए फिर उन्हें जलते हुए अंगारों के अग्निकुंड में डाला गया वह अग्नि शांत हो गई इतना ही नहीं इसके बाद उन पर मस्त हाथी को छोड़ा गया लेकिन हाथी भी नमस्कार करके निकल गया ' इतनी सारी पीड़ाओं को सहकर भी अपने धर्म मार्ग से बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए और निडरता एवं निर्भीकत' का परिचय दिया ' कबीर ने लिखा भी है , गंगा माता गहरी गंभीर , पटके कबीर बंधी जंजीर 'लहारिन तोड़ी सब जंजीर, बैठ किनारे हंसी कबीर।घर में आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अपने ही शिष्य युवती लॉय से विवाह किया जिनमें एक पुत्र कम'ल तथा एक पुत्री कम'ली हुई ' कबीर दास निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे ' एक ही ईश्वर को मानने वाले थे ' वे अंधविश्वास , धर्म व पूजा के नाम पर होने वाले आडंबरों के खिलाफ थे ' उनके अनुसार वास्तविक धर्म जीवन जीने का तरीका है जिसे लोग जीते हैं न की लोगों के द्वारा बनाए गए ' उनके अनुसार ईश्वर को निराकार बताया गया तथा उसे बाहर नहीं स्वयं के भीतर ही बताया ' उन्होंने अपनी वाणी को माध्यम बनाकर सदा चरण ,विश्व शांति, मानव एवं म'न्वित्तर कल्याण, प्रेम दया तथा करुणा जैसे आदर्श व मूल्यों की शिक्षा संपूर्ण मानव जाति को प्रदान की' कबीर का मुख्य लक्ष्य समाज को सुधारना और लोगों में एकता स्थापित करना था ' समाज में फैली हुई कुरीतियां और बाहरी आडंबरों का खंडन करना ही उनका मूल मंत्र था ' उनमें जाति-पाति का भेद नहीं था ' काली और सफेद गाय के दूध में फर्क नहीं करते थे ' इसलिए उन्होंने कहा -रकोई हिंदू कोई तुर्क कहावे, एक जमीन पर रहिएर' उनके अनुसार सभी परमेश्वर की संतान है' रको ब्राह्मण ,को शूद्रर इनमें भेद नहीं समझा ' जीवन की सार्थकता सरलता एवं वास्तविकता को अपनाया ' छुआ-छूत को मिटाया ' बात-बात में शास्त्रों की दुआई देने वाले तथा यथार्थ को नहीं मानने वालों के लिए कहा

पोथी पढ़-पढ़ जग मुआ पंडित भया न कोई
ढाई अक्षर प्रेम का पढ़े सो पंडित हुई '

कबीर ने धर्म के नाम पर प्रचलित पाखंड का विरोध किया वे मनुष्य मात्र को समान अधिकार और समान रूप से देखना चाहते थे ' वह जात-पात और उच्च नीच के विरोधी थे ' कबीर निर्भीक आदर्शवादी, चरित्रवान और जनकल्याणवादी लोक सेवक थे ' हिंदू और मुसलमान दोनों के बीच समान रूप से प्रिया थे ' उनकी दृष्टि में प्रत्येक मानव समान रूप से सामाजिक समानता और धर्म के अधिकारी थे जो आज के समय में भी जरूरी है ' कबीर ने हिंसा का विरोध किया मांसाहार के कठोर विरोधी थे ' उनकी वाणी में कल्पना ज्ञान और साधना का भंडार था ' उन्होंने आत्मा को स्त्री और परमात्मा को परम पुरुष का रूप मानकर आध्यात्मिक रहस्यवाद की उच्च कोटि की रचना की ' उन्होंने कहा मानव जीवन दुर्लभ है ' अपने अहंकार को छोड़कर जीवन को सार्थक बनाना ही जीवन का उद्देश्य है ' उन्होंने मानव देह की नश्वरता को समझा, धन दौलत की अस्थिरता को जाना , पुद्गलों की आसक्ति को नकारा तथा अनासक्ति बनने की प्रेरणा दी ' उन्होंने कहा

मालिन मालिन आवत देख करी कालिया करे पुकार '
फूले फूले चुन्नी लिए, कल ही हमारी बार '

कबीर पहुंचे हुए संत थे बाहरी नहीं अंतर जगत के धनी थे ' उन्होंने माया का दूसरा नाम अज्ञान बताया ' दर्पण पर जिस प्रकार धूल आ जाती है उसी प्रकार आत्मा पर अज्ञानता का आवरण आ जाता है जिससे परमात्मा के दर्शन नहीं हो नहीं हो पा ते ' उन्होंने ब्राह्मणों और शूद्रों को निकट लाने का प्रयास किया हिंदू और मुसलमान के बीच की दीवार को तोड़कर उन्हें एक ही परिवार का व्यक्ति घोषित किया ' अंधविश्वास को खत्म करने के लिए अंतिम अवस्था में काशी से मगहर चले गए जिसकी मान्यता के अनुसार वहां मृत्यु को प्राप्त करने वाले नरक में तथा काशी में मृत्यु को प्राप्त करने वाले स्वर्ग में जाते हैं ' उनकी मृत्यु पर हिंदू दाह संस्कार करना चाहते थे मुसलमान दफना चाहते थे ' लेकिन इस समय आकाशवाणी हुई कफन उठाकर देखो ' देखने पर केवल फूल थे जिन्हें आधे लोगों ने जो मुस्लिम थे उनको दफन किया और आधे फूलों को जो हिंदू थे उनका दाह संस्कार किया इस प्रकार दोनों संप्रदायों में समन्वय स्थापित किया ' 120 वर्ष की आयु पूर्ण कर अपना जीवन धन्य किया । इस प्रकार स्पष्ट है संत कबीर की संपूर्ण जीवन यात्रा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन गई जो आज भी प्रासंगिक है।

-पदमचंद गांधी

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

ऊंचाई विकास का प्रतीक है। ऊपर उठने का अर्थ है दृष्टि बदल जाना। नीचे रहने पर जो चीजें हमें लुभाती हैं और हमारे लिए बहुत बड़ी होती हैं, जैसे-जैसे ऊपर उठते जाएं, वे छोटी और अनाकर्षक होती जाती हैं। कभी वायुयान की खिड़की से नीचे देखें, तो बड़े-बड़े महल माचिस की डिब्बी जैसे लगते हैं, आलीशान कारें चीटियों-सी रेंगती नजर आती हैं। लोग बिंदु जैसे दिखते हैं। ऊंचे उठने पर हमें यह भी अहसास होता है कि हमारे पैरों तले कोई आधार नहीं है और जीवन का कोई भरोसा नहीं। अधिक ऊपर चले जाएं तो नीचे एक शून्य के दर्शन होते हैं और तीव्र विरक्ति पैदा होती है। यह शून्य ही वास्तविकता है, किंतु हम इसे मानने को तैयार नहीं हैं। ऊपर उठने के बाद हमें ऊपर की विशालता और सुंदरता का भी ज्ञान होता है। जिसे हमने अपनी दुनिया समझ रखा था, वह वास्तव में व्यापक रचना का बिंदु मात्र है। जिसे हम सुंदर मान कर मोहित हो रहे थे, वह सुंदरता का आभास है। व्यापक और वास्तविक सुंदरता तो तब नजर आती है, जब हम समदृष्टि से पूरे ब्रह्मांड को एकबारगी देख पाते हैं। नीचे रह के हमारी देखने की क्षमता संकुचित हो जाती है और जो कुछ हमें दिख रहा होता है, उसे ही सच और सुंदर मान लेने के अतिरिक्त हमारे पास और कोई विकल्प नहीं होता। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि जितना हम देख पा रहे हैं, दुनिया उसके आगे नहीं है। देखने, सुनने और समझने की हमारी सीमाएं हैं। यह भी तय है कि सच अपार और अनंत है। यदि ऐसा न होता, तो नित नई खोजें, नई जानकारियां हमें विस्मित न करती रहतीं। ऋषियों, मुनियों, धर्मात्माओं ने ऊंचे उठकर नए अनुभव हासिल किए, जिनमें से कुछ उन्होंने संसार के साथ बांटे भी। इसके बावजूद हमारा ज्ञान अति अल्प है। मनुष्य अभी तक जन्म और मृत्यु का ही रहस्य नहीं समझ पाया है। यदि निश्चित और अंतिम कुछ नहीं है तो मनुष्य स्वयं को ज्ञानी कैसे कह सकता है? हमारी समस्या है कि हमने निकटता वहां पैदा कर ली है, जहां दूरी होनी चाहिए। इससे हम वहां से दूर हो गए हैं, जहां हमें पहुंचना था। हम अपनी समझ के बनाए गए बुलबुले में कैद हो कर रह गए हैं।

संपादकीय

हिंसा का समर्थन करना भारी पड़ सकता है कनाडा को

खालिस्तानी चरमपंथ के मसले पर भारत और कनाडा के संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। भारत ने परामर्श जारी कर अपने नागरिकों को कनाडा के कुछ क्षेत्रों में यात्रा करने से बचने और अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। दरअसल, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बीते सोमवार को संसद के आपातकालीन सत्र में चरमपंथी खालिस्तानी टाइगर फोर्स के प्रमुख रहे हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ होने का आरोप लगाया और एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को निष्कासित कर दिया। मामले को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते हुए उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और फ्रांस के समक्ष भी यह मुद्दा उठाया। सिर्फ आशंका के आधार पर कनाडा के इस कदम पर भारत का एतराज स्वाभाविक है। यही वजह है कि भारत ने भी कनाडा के शीर्ष राजनयिक को निष्कासित कर पांच दिन में देश छोड़ने का फरमान सुना कर एक कड़ा संदेश दिया है। गौरतलब है कि भारत चरमपंथी तत्त्वों पर नरमी को लेकर कनाडा को कई बार चेतावनी दे चुका है, लेकिन उसका रवैया नहीं बदला। कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थक तत्त्व लगातार भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं और वहां की सरकार उनके प्रति यह कहकर नरम रुख अख्तियार करती रही है कि वह हर नागरिक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करेगी। नतीजतन, आज वहां दर्जन भर से ज्यादा खालिस्तान समर्थक और भारत विरोधी संगठन सक्रिय हैं। निज्जर ऐसे ही एक संगठन में प्रमुख हैसियत रखता था, जो पंजाब को भारत से अलग स्वतंत्र खालिस्तान बनाने की मांग को लेकर कनाडा समेत कई देशों में जनमत संग्रह कराता है। गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर की बीते जून माह में कनाड़ा के सरे शहर में दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद वहां न केवल भारतीय राजनयिकों, भारतवंशियों पर हमले तेज हुए, बल्कि मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई। कनाडा सरकार इन घटनाओं पर न केवल चुप्पी साधे रही, बल्कि उसने भारत की शिकायत पर इसे अभिव्यक्ति की आजादी बताकर परोक्ष रूप से खालिस्तानी तत्त्वों को खुली छूट ही दी। भारत लंबे अरसे से इन घटनाओं और कनाडा सरकार के रवैए पर सख्त रुख अपनाने से बचता आ रहा था, लेकिन हाल ही में संपन्न 20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली से खरी-खरी सुनने के बाद स्वदेश लौटे ट्रूडो ने जैसे ही अक्तूबर में प्रस्तावित एक व्यापार समझौते को रद्द करने का एलान किया तो भारत ने भी मुक्त व्यापार समझौते को लेकर कनाडा के साथ चल रही बातचीत रोक कर कड़ा संदेश दिया। जाहिर है, कनाडा में यह मामला सीधे राजनीति से जुड़ा है। सिख फार जस्टिस जैसे संगठन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को समर्थन देते हैं। ट्रूडो के मंत्रिमंडल में भी कई खालिस्तान समर्थक मंत्री हैं। यही वजह है कि ट्रूडो भारत की मांग को अनसुना करते आ रहे हैं। कनाडा में लगभग सोलह लाख भारतवंशी रहते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कनाडा से निराशा

भारत और कनाडा के बीच पैदा ताजा तनाव का असर विभिन्न मंचों पर दिखने लगा है और यह दोनों ही लोकतांत्रिक देशों के लिए दुखद और अफसोसजनक है। कनाडा शुरू से ही भारतीयों का एक प्रिय ठिकाना रहा है, पर अगर वह अब आतंकियों या अलगाववादियों का ठिकाना बनना चाहता है, तो वह अपने लिए हास्यास्पद स्थिति ही पैदा करेगा। कनाडा की वर्तमान सरकार ने जिस तरह से नासमझी में जल्दबाजी दिखाई है, उसकी निंदा स्वयं कनाडा के ही संजीदा विद्वान व नेता कर रहे हैं। भारतवंशी कनाडाई नेता उज्ज्वल दोसांझ को सब जानते हैं, वह भी पंजाबी हैं, उन्होंने तो यहां तक सलाह दे डाली है कि अगर कनाडा सरकार को इतनी ही परवाह है, तो वह अपने यहां ही एक खालिस्तान बना दे। सिर्फ सियासी मजबूरी की वजह से मौजूदा कनाडा सरकार अगर भारत विरोधियों की पक्षधर बन गई है, तो यकीन मानिए, उसने अपने ही देश को मुश्किल में डाल दिया है। कनाडा निवासी नामजद आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में किसी भारतीय एजेंसी की संलिप्तता है, तो कनाडा को इसके ठोस प्रमाण पेश करने चाहिए। एक वांछित आतंकी के प्रति कनाडा सरकार का लगाव बेहद निंदनीय है। यह भारत की संप्रभुता पर सीधे हमला है। भारत को तोड़ने का इरादा रखने वालों के प्रति किसी देश को भला क्यों हमदर्दी होनी चाहिए? ऐसे में, कनाडा के प्रति भारत की शुरूआती आक्रामकता आवश्यक व उचित है। कनाडा को कूटनीतिक स्तर पर जैसे को तैसा स्वरूप में करारा जवाब मिलना ही चाहिए। कनाडा में 2,30,000 भारतीय छात्र और 7,00,000 अनिवासी भारतीय रहते हैं। इतने लोगों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाना भारत सरकार की जिम्मेदारी है। भारत सरकार ने उचित ही अपने लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, और आगे भी स्थितियों पर चौकस निगाह रखनी चाहिए। यह बड़े अफसोस की बात है कि भारत-कनाडा तनाव का असर कूटनीतिक मंचों पर ही नहीं, भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखा है। कनाडा के कुछ निकट मित्र देश भी भारत को आदतन नसीहत देने की मुद्रा में हैं। ऐसे देशों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। पहली बात, भारत को बगैर सुबूत कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं है। दूसरी बात, किसी भी देश की संप्रभुता में भारत ने कभी हस्तक्षेप नहीं किया है। तीसरी बात, भारत अपने दुश्मनों और आतंकियों के प्रति अगर कड़ाई बरत रहा है, तो क्या गलत है? अमेरिका हो या चीन या रूस या इजरायल, ये ऐसे देश हैं, जो अपने सामान्य आलोचकों को भी मारने के लिए न जाने कितनी बार अपने देश की सीमा, मर्यादा लांघ जाते हैं। चीन जब कनाडा में अपने आलोचकों को मार रहा था, तब तो जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बयान नहीं दिया था। जब कनाडा में समाजसेवी करीमा बलोच को मारा गया, तब भी ट्रूडो खामोश रहे, पर अब बिना सुबूत भारत के खिलाफ बोलकर अपनी सियासी कमजोरी और अपर्याप्त समझदारी ही उजागर कर रहे हैं। आज आतंकियों और अलगाववादियों के खिलाफ भारत के कड़े रुख का कोई विकल्प नहीं है। दुनिया की तमाम जिम्मेदार शक्तियों को समझ लेना चाहिए कि अतीत में एकाधिक बार बंट चुका भारत अब अपनी संप्रभुता से कोई समझौता नहीं कर सकता।

चातुर्मास और उसका महत्व...

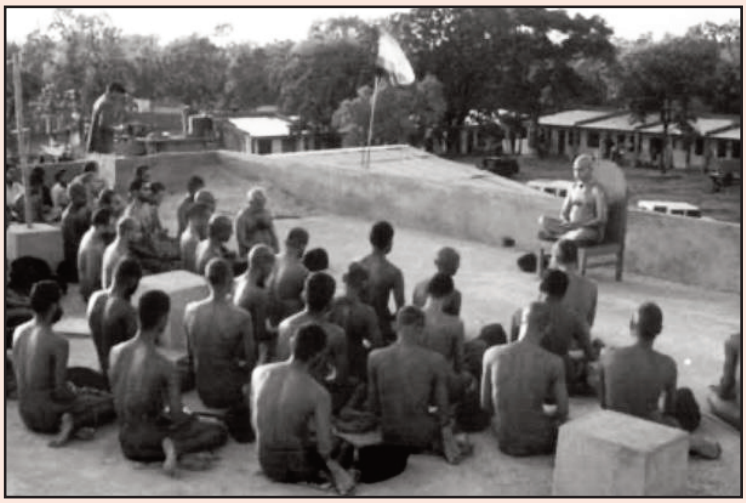

जीव दया, तप साधना धर्म प्रभावना व सद्भावना का महा महोत्सव है चातुर्मास

पदम जैन बिलाला. शाबाश इंडिया

आषाढ माह प्रारंभ होते ही साधु संतों के चातुर्मास के स्थानों की घोषणा होना ,उन स्थानों के लिए संतों का विहार प्रारंभ होना तथा श्रावकों द्वारा संतों को चातुर्मास हेतु निवेदन करने के साथ ही आवश्यक व्यवस्थाओं में जुट जाना प्रारंभ हो जाता है। जैन समाज में वर्ष 2024 चातुर्मास के हिसाब से एक विशेष वर्ष है। इस वर्ष चातुर्मास में भगवान महावीर का 2550 वाँ निवाणोत्सव होने के कारण कई विशेष कार्यक्रम स्थान स्थान पर आयोजित होंगे। साथ ही आचार्य विद्यासागर जी के उपकार स्वरूप भी कार्यक्रमों की संभावनायें कम नहीं है। भारतीय तिथि गणना शास्त्र के अनुसार 2024 में चातुर्मास 20 जुलाई से 15 नवम्बर तक होंगे। भारत में विभिन्न धर्मों के संत महात्माओं की अपनी-अपनी मान्यताओं और धार्मिक विधानों के अनुसार साधना पद्धतियां, अनुष्ठान और निष्ठाएं परिपक्व हुई हैं। इन पद्धतियों में चातुर्मास की परम्परा बड़ी महत्वपूर्ण है। वैदिक परम्परा के संतों में भी चातुर्मास की परम्परा चली आ रही है परन्तु जैन धर्म में इसका एक अलग ही महत्वपूर्ण स्थान क्योंकि ''जियो और जीने दो'' ''परस्परोपग्रह जीवनाम्'' दयाभाव युक्त और उसी के तहत जीवों के जीने में सहयोग करना अहिंसा का व्यवहारिक रुप है। जैन धर्म में चातुर्मास की परम्परा अत्यंत प्राचीन है। स्वयं श्रमण भगवान महावीर ने अपने जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में चातुर्मास किए। उन्होंने अपना अंतिम 42वां चातुर्मास पावापुरी में किया था। चातुर्मास का अर्थ है-चार मास के लिए साधु-साध्वियों का एक स्थान पर ठहरना। चातुर्मास का आरंभ वर्षा ऋतु में होता है। वर्षा के कारण सभी मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं और जीव-जंतुओं की उत्पत्ति भी बढ़ जाती है अतः जीवों की रक्षा और संयम -साधना के लिए चार मास तक साधु-साध्वियों को एक स्थान पर रुकने का शास्त्रीय विधान है। अपवाद स्वरूप ही साधु चातुर्मास में अन्यत्र जा सकते हैं। शास्त्रों में उल्लेख है कि संघ पर संकट आने अथवा किसी स्थविर या वृद्ध साधु की सेवा के लिए साधु चातुर्मास में दूसरे स्थान पर जा सकता है अन्यथा उसे चातुर्मास में एक स्थान पर रुकने का शास्त्रीय आदेश है। जिनधर्म गुणों का उपासक है तथा जिन धर्म में ज्ञान और दर्शन के सभी दरवाजे खुले हैं। अनेकान्तवाद के अनुसार कोई दूसरा धर्म पन्थ भी सही हो सकता है क्योंकि सत्य सीमित या एकान्तिक नहीं है । जैन धर्म में अन्य धर्मों की तुलना में अपरिग्रह पर अधिक जोर दिया है। दिगम्बर साधु जिसका जीवंत उदाहरण है। जैन धर्म में नर और नारी को समान स्थान दिया गया है, श्रावक-श्राविका, श्रमण-श्रमणियों के रुप में बराबर स्थाने तथा नारी को भी मुक्ति पाने का अधिकारी माना गया है । इस प्रकार मुनि आर्यिका आदि सभी चातुर्मास के नियमों का पालन कर तप त्याग व साधना में रत रहते है । जैन धर्म में सामाजिक तथा धार्मिक दृष्टि से चतुर्मासिक प्रवास अत्यंत महत्वपूर्ण है। चातुर्मास में षोडशकारण व्रत, दस लक्षण व्रत, सुगंध दशमी, अनन्त चतुर्दशी तथा क्षमा वाणी और भगवान महावीर निवाणोत्सव जैसे महापर्व आते है। इस दृष्टि से इसकी महत्ता और भी बढ़ जाती है। यह जैनों के अलौकिक पर्व है। एक ओर जहां यह तप, त्याग , साधना का पर्व है वही संतों के सानिध्य में परस्पर वैमनस्य

और वैर, विरोध को दूर करने का सशक्त माध्यम भी है। क्षमा पर्व की धारणा एक स्वस्थ और सभ्य समाज की गारंटी है। इस प्रकार जैन धर्म में चातुर्मास का सामाजिक और धार्मिक महत्व तो है ही व्यक्ति और समाज को एक सूत्र में पिरोने का भागीरथ प्रयत्न भी है।

॥ श्री महावीराय नमः॥

राज्य स्तरीय

अहिंसक आहार

पोस्टर प्रतियोगिता

पावन आशीर्वाद एवं मंगल प्रेरणा

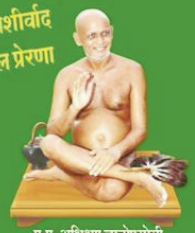

प.पू. अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज

पावन प्रेरणा एवं निर्देशन

प.पू. आर्यिकारत्न 105 श्री वर्धस्वनंदनी माताजी

प्रथम पुरस्कार ₹11,000

द्वितीय पुरस्कार ₹ 5,100

तृतीय पुरस्कार ₹3,100

मुख्य संयोजक इंजी.प्रेमचन्द जैन छाबड़ा जयपुर

21 सांत्वना पुरस्कार (प्रत्येक) ₹ 1,100

समन्वयक संजय जैन बड़जात्या कामां

प्रविष्टियाँ भेजने की तिथियाँ

शुभारम्भ श्रुत पंचमी पर्व दिनांक 11 जून 2024

पोस्टर साईज ए-3

अन्तिम तिथि महावीर भगवान गर्भकल्याणक दिनांक 12 जुलाई 2024

नोट : प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के लोग हिस्सा ले सकते हैं एवं पोस्टर आपको घर से बना कर भेजना है।

प्रतियोगी हेतु निर्देश

पोस्टर घर से बना कर स्थानीय संयोजक को दें।

अन्यथा निम्न पते पर डाक या कोरियर से भेज सकते हैं -

पोस्टर प्रतियोगिता धर्म जागृति संस्थान

पदम जैन बिलाला(मो. 9314024888)

21, शिवा कॉलोनी, इमलीवाला फाटक, जयपुर-302015

नोट : आयोजकों का निर्णय अन्तिम निर्णय होगा।

पोस्टर हेतु प्रेरक प्रसंग

* मद्य, माँस, मधु का त्याग
* जंक व फ्रोजन फूड का त्याग
* जमींकंद का त्याग
* रात्रि भोजन त्याग
* तम्बाकू, धूम्रपान व ड्रग्स का त्याग

सम्पर्क सूत्र : 9351636462, 9351302142

आयोजक : अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत-राजस्थान

दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन

सीकर निवासी बज परिवार द्वारा करवाया गया पलाड़ा ग्राम के जैन मंदिर जीर्णोद्धार व नूतन वेदी निर्माण

पलाड़ा, कुचामनसिटी. शाबाश इंडिया। ग्राम पलाड़ा में आयोजित दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का बुधवार को भव्यता से समापन हुआ । वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य गुरुवर श्री विमल सागर जी महाराज के पट शिष्य परम पूज्य मर्यादा शिष्योतम आचार्य श्री 108 भरत सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या वात्सल्य चंद्रिका गुरु मां आर्यिका 105 नंदीश्वरमति माताजी , ससंघ के सानिध्य में विधि विधान के साथ श्री जी को मंदिर जी में नूतन वेदी में विराजमान किया गया। कार्यक्रम से जुड़े कैलाश बज ने बताया कि वेदी प्रतिष्ठा के दो दिवसीय आयोजन में संपूर्ण पलाड़ा ग्राम भक्ति रस में डूब हुआ था । बुधवार प्रातः विधि विधान के साथ हवन यज्ञ हुआ, जिसके पश्चात कार्यक्रम स्थल से श्री जी की भव्य रथ यात्रा निकाली गई जो पलाड़ा गांव के विभिन्न मार्गो से होते हुए मंदिर जी पहुंची । रथ यात्रा में बैंड की भजनों की धुन पर जैन समाज के युवक युवतियां भक्ति में झूम रही थी ।रथ यात्रा में आर्यिका संघ सम्मिलित था । विभिन्न मार्गों पर सर्वसमाज द्वारा पुष्प वर्षा की गई । रथ यात्रा में अजमेर के जिला प्रमुख प्रतिनिधि व भाजपा नेता समाज सेवी भंवर सिंह पलाड़ा, परबतसर पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया,पलाड़ा सरपंच लीना कंवर, सरपंच प्रतिनिधि विजय सिंह पलाड़ा सहित कई जनप्रतिनिधि व जैन समाज के कई गांवों और शहरों के जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

णमोकार महामंत्र का जाप करने वाला मनवांछित फल प्राप्त कर सकता है : साध्वी ऐश्वर्य प्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। णमोकार महामंत्र के जाप करने वाला साधक मनवांछित फल प्राप्त कर सकता है। गुरूवार को अहिंसा सर्कल के समीप यश विहार मे विराजमान महासाध्वी मनोहर कंवर,महासती ज्ञानकंवर,साध्वी पुष्पलता, ज्योतिप्रभा,साध्वी ऐष्वर्य प्रभा आदि के सान्निध्य में महामंत्र णमोकार का सामूहिक जाप रखा गया। जिसमें जैन समाज के सैकड़ों श्रावक - श्राविकाओं के साथ श्री यशकंवर चैरिटेबल ट्रस्ट यशविहार के कोषाध्यक्ष दिनेश गौखरू,राजेंद्रसिंह मारु, भूपेन्द्रसिंह पगारिया, शांति भवन के महामंत्री सुशील चपलोत, शास्त्री नगर अहिंसा भवन के मार्गदर्शक अशोक पोखरना अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल काशीपुरी शीतल स्वाध्याय भवन के अध्यक्ष मानसिंह भण्डारी, माणिकचंद पीपाड़ा शीलत युवा मंडल के अध्यक्ष हेमन्त बाबेल,यशसिध्द भवन के मंत्री मुकेश डांगी,सत्येंद्र धूपिया, रामसिंह चौधरी,जितेश चपलोत,पुखराज चौधरी, धर्मीचन्द नंदावत,पियुष खमेसरा, रिखबचंद भंडारी आदि पदाधिकारियों ने महामंत्र णमोकार के जाप मे भाग लिया और साध्वीवृंद का अभिनन्दन किया। इसदौरन साध्वी ऐष्वर्य प्रभा ने महामंत्र की महिमा का बखान करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र अत्यंत पवित्र और प्रभावशाली मंत्र का जप भौतिक इच्छाओं की पूर्ति के उद्देश्य से नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और शुद्धि के साथ व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ की दृष्टि को न रखकर पूर्ण समर्पण और श्रद्धा के साथ इस महामंत्र का जप करता है तो वह संसार के समस्त दुःखो और व्याधियो से छुटकारा प्राप्त कर सुख भोग सकता है और अपनी आत्मा को मोक्ष गति दिलवा सकता है।

जीवन में सुख दुःख आने से प्राप्त होते अनुभव : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव, गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। जवाहर नगर जैन समाज ने उत्साह के साथ आर्यिका संघ को आहार दान देने का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रतिदिन प्रवचन एवं आनंद यात्रा के माध्यम से अनेकों श्रद्धालु भक्ति रस में डुबकी लगाने का आनंद प्राप्त कर रहे है। गुरुमाँ के दर्शन हेतु झालावाड, कोटा, निवाई एवं चाकसू के भक्तों की टोली आई थी। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - जीवन में सुख और दुःख तो आते जाते रहते हैं । उसमें हमें कभी हिम्मत नहीं हारना चाहिए । जिस प्रकार रात के बाद दिन होता है उसी तरह कभी सुख और कभी दुःख आते रहते हैं । जिंदगी तस्वीर भी है और तकदीर भी। फर्क तो सिर्फ रंगों का है । मनचाहे रंगों से बने तो तस्वीर और अनजाने रंग से बनें तो तकदीर। जीवन में मुसीबत आये तो कभी घबराना मत क्योंकि गिरकर उठने वाले को ही बाजीगर कहते हैं। सुख दुःख तो अतिथि है , बारी बारी से आयेंगे और चले जायेंगे। यदि यह नहीं आयेंगे तो हम अनुभव कहाँ से लाएंगे । लोग बुराई करें और आप दुखी हो जाओ। लोग तारीफ करें और आप सुखी हो जाओ। मतलब आपके सुख दुख का स्विच लोगों के हाथ में है? कोशिश करें ये स्विच आपके हाथ में हो।

देरांठू में किया हवन यज्ञ, हवन यज्ञ के पश्चात इन्द्र देव ने प्रसन्न होकर करी अमृत की बारिश

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद के निकटवर्ती ग्राम देरांठू के ग्रामीण हर वर्ष क्षेत्र में अच्छी बारिश की कामना करते हुए इन्द्र देव को प्रसन्न करने के लिए हवन यज्ञ करते हैं। गुरुवार को भी देरांठू के ग्रामीण गाजे बाजे के साथ तलाई की पाल पर पहुंचे । जहां पहुंचकर पण्डित दिनेश दाधीच के सानिध्य में इन्द्र देव को प्रसन्न करने के लिए हवन यज्ञ किया । हवन में कई ग्रामीणों ने भाग लेकर हवन यज्ञ में आहुतियां दी। हवन समाप्ति के पश्चात ही इन्द्र देव भी प्रसन्न होकर क्षेत्र में अमृत की बारिश करने लगे ।

बालिका के विवाह में सहयोग देकर सम्बल प्रदान किया गया

बालिका के विवाह में सहयोग के लिए समिति की सदस्याएं सदेव तत्पर: मधु पाटनी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवम श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की जाटियावास इकाई के तत्वावधान में अजमेर के अंचल में बसा ग्राम नागेलाव की रहने वाली बालिका पूजा पुत्री शंकर लाल जिसका विवाह आगामी 16 जुलाई को होने जा रहा है में सहयोग प्रदान किया गया। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि बालिका की माता का 12 वर्ष पूर्व एवम एक भाई का 3 वर्ष पूर्व देहांत हो गया एवम पिता बीमार एवम अर्ध विक्षित है एक भाई है जो परिवार को मेहनत मजदूरी करके जेसे तैसे घर को चला रहा है बालिका की एक छोटी बहन भी है ग्राम के सरपंच सुआलाल चौहान एवम शिक्षक चंद्रप्रकाश चौहान ने श्री दिगंबर जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी से जरूरतमंद बालिका के विवाह में सहयोग की अपील की जिसे श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के नेतृत्व में वैवाहिक कार्य में आने वाली सभी प्रकार की सामग्री देकर सहयोग किया गया। इस अवसर पर मधु पाटनी ने कहा कि समिति की सभी सदस्याए जरूरतमंद बालिकाओं के विवाह में सहयोग देने को सदेव तत्पर रहती है।

चिंतन "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" योग जरूरी

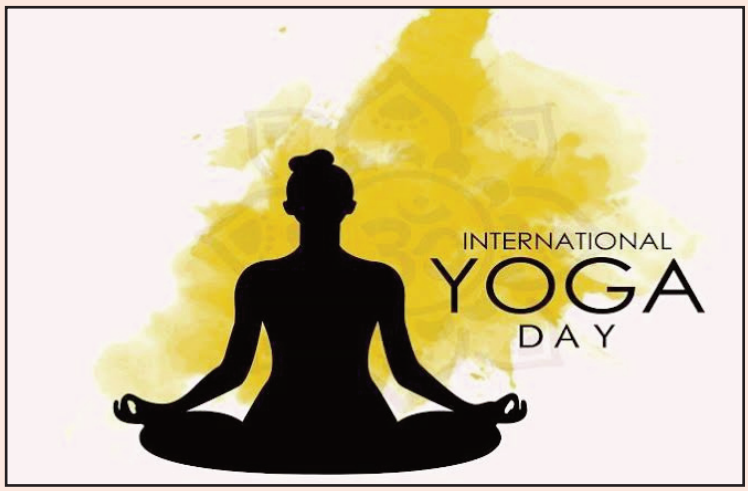

शाबाश इंडिया। युग बदल रहा है, जनसंख्या का विस्फोटण हो रहा है, मनुष्य में आत्मियता घट रही हैं आजकल मनुष्य परिश्रम कम दिमाग से ज्यादा काम लेने लगे है, तनावपूर्ण जीवन बिता रहे है, दवाई पर ज्यादा निर्भर होने लगे है, इस कारण योग से निरोग में लाना बहुत बड़ी बात है। आने वाले दिनों में योग का अवदान बहुत ज्यादा प्रतिशत रहेगा क्योंकि मनुष्य ज्यादा आराम प्रिय व आलसी हो गया है, इन्टरनेट का प्रयोग ज्यादा कर रहा है, जिस कारण योग जरुरी हैं योग नार्भ को सचल बनाता है, रक्त संचालन की गति बढ़ाता है, जहाँ एबस्ट्रक्शन है उसे दूर करता हैं तनाव का होना इन दिनों एक आम बात हैं तनाव के कारण लोगों में गंभीर समस्याएँ पैदा होती है, समय गुजरने के साथ इन समस्याओं का इलाज करने में योग प्रभावी हैं योग आंतरिक शांति और लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु एक उन्नत तरीका हैं योग नियमित करने से बहुत से रोगो की मुक्ति जरूर मिलती है, अतः इस भागदौड़ की जिंदगी में रोगयुक्त जीवन से मुक्ति पाने के लिए योग जरूर अपनाना चाहिए। **-संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉर एवर की सदस्य

श्रीमती अनिता-श्री कैलाश बिंदायका

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

शुभेच्छु

अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका, सचिव सुनीता गंगवाल

कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन

एवम समस्त संगिनी फॉर एवर सदस्य

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

धरती पर रहता इंसान दौलत गिनता है, कल कितनी थी, आज कितनी बढ़ गई-- ? ऊपर से ये सब देखकर परमात्मा हँसता है और इंसान कि साँसे गिनता है -- कल कितनी थी, आज कितनी कम रह गई है साँसे। फिर भी इंसान बे खबर होकर जिन्दगी जी रहा है। तन के पिंजरे से प्राण पखेरू कब उड़ जाये क्या पता - ? इसलिए जीवन में जो काम करने जैसा हो उसे अविलम्ब कर लेना चाहिए। जो शुभ है, धर्म है, मंगल है, उसे करने में आलस प्रमाद नहीं करना चाहिए। जो पुण्य है, कल्याण है, सेवा है, उसे करने में टाल-मटोल नहीं करना चाहिए। शुभ, मंगल, श्रेष्ठ, पुण्य, सेवा कार्य को कल-परसों पर मत टालना यानि स्वयं पर एक आत्म घाती कदम होगा। इसलिए धर्म ध्यान, दान पूजा, तपश्चरण आज अभी इसी वक्त कर लेना चाहिए। और अशुभ को, पाप को, गलत को, कल पर छोड़ देना चाहिए। ऐसा करने से दिन सब वो करना जो अभी तक नहीं हुआ...! **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

कुलदीप-नीतू जैन

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य

21 जून' 24

9828410279

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: सुनील सोगानी, **आई पी पी:** राहुल जैन

संस्थापक अध्यक्ष: मनीष झांझरी

पूर्व अध्यक्ष: अभय गंगवाल, **पूर्व अध्यक्ष:** संजय जैन

उपाध्यक्ष: अजय बड़जात्या, **सचिव:** विशुतोष चाँदवाड

सह सचिव: महेंद्र जैन, **कोषाध्यक्ष:** सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

जैन सोशल ग्रुप मार्वेल्स अजमेर द्वारा सेवा कार्य

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जैन सोशल ग्रुप मार्वेल्स अजमेर ने अपने अल्प समय में ही अनेकों सामाजिक सेवा कार्य अजमेर शहर में एक अलग पहचान बना ली। ग्रुप द्वारा आज जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के प्रथम सेवक अमिश डोसी एवम आश्रय प्रोजेक्ट के चेयरमैन उपेन्द्र शाह की प्रेरणा से एक और सामाजिक कार्यक्रम किया जा रहा है। सड़क किनारे जीवन यापन कर रहे अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे या सड़क किनारे रह रहे गरीब व्यक्ति जिनके पास छत भी नहीं है ऐसे व्यक्तियों के लिए धूप और बरसात से राहत हेतु करीब 25 जगह चिन्हित की गई है उन्हे अंब्रेला या छाता दिए गये। इस पुनीत कार्य में अजय जैन (खिवेसरा) कपिल सिंघी मनीष खटोड़ मयंक खटोड़ ग्रुप अध्यक्ष डॉ .राजकुमार एवम मुकेश कर्णावट, सागर लोढ़ा, डॉ. ऋषभ कोठारी, सचिव राजेश जैन सह सचिव संदीप दोषी, डॉ . मीनल, मोंटू कर्णावत दिलीप काकरिया, नीता कांकरिया आदि सदस्य का सहयोग रहा। ग्रुप के सोशल प्रोजेक्ट चेयरमैन मनीष खटोड़ ने सभी सहयोग देने वालो को साधुवाद एवं धन्यवाद दिया और साथ ही यह भी बताया कि ग्रुप द्वारा आने वाले दिनों में अस्पताल में आने वाले परिजनों एवम बीमार व्यक्तियों को निशुल्क भोजन ,किडनी की बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों के लिए फ्री डायलिसिस की एवम निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन लगातार किया जाना प्राथमिकता में रहेगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

गायिका श्रेया जैन विनर व रैपर लक्ष्मी तंवर फर्स्ट रनरअप रही

महिलाओं के लिए वीजेसी ओपन माइक लीग 'वूमेन स्पेशल' का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विनीत जैन क्रिएशन्स द्वारा राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के सहयोग से VJC ओपन माइक लीग 'वूमेन स्पेशल' एक क्रिएटिविटी और सशक्तिकरण का प्रतीक कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार 20 जून को टौक रोड स्थित अपेक्स मॉल के कोड ब्लैक लांज में हुआ। इस प्रोग्राम में 51 युवतियों एवं महिलाओं ने गायन, संगीत सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दी। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक टौक रोड पर अपेक्स मॉल के कोड ब्लैक रेस्टोरेंट में आयोजित इस प्रोग्राम में महिलाओं ने गायन, कविता, स्टोरी टेलिंग, संगीत, और स्टैंड-अप कॉमेडी जैसे टॉपिक्स पर अपनी छिपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सूत्रधार विनित जैन चांदवाड के मुताबिक प्रोग्राम में सिंगिग, बीट बाक्सिंग, रेपिंग, इंस्ट्रूमेंटल, मिमिक्री, स्टेन्ड अप, कॉमेडी, पॉयट्री, स्टोरी टेलिंग की कैटेगरी रखी गई है। प्रतिभागियों को 11,000 रुपए का नकद पुरस्कार अफ्छ ग्रुप द्वारा दिया गया। क्रिएटिव हेड आकांक्षा अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर, सक्षम इवेंट्स, ब्लैक कोड आदि का सहयोग रहा। शो की प्लानर प्रेरणा चंदीरानी ने बताया कि इसमें निर्णायक के रूप में आरजे देवांगना रेडियो आर्टिस्ट, स्वाति श्रीमाल आकाशवाणी आर्टिस्ट, और डॉ पूजा राठौर संगीत पीएचडी रही। इंडियन आइडल 2023 की टॉप 23 में चयनित निशु शर्मा ने स्पेशल गेस्ट की भूमिका निभाई । इस शो की एंकर्स मृदुला पाटनी व नीतू जैन ने अहम भूमिका निभाई। डायरेक्टर विनीत जैन ने बताया कि गायिका श्रेया जैन विनर रही व रैपर लक्ष्मी तंवर फर्स्ट रनर अप रही। इस मौके पर समाजसेवी ज्ञान चन्द झांझरी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, राकेश गोधा, कमल सरावगी, सुभाष बज सहित बडी संख्या में गणमान्य पुरुष एवं महिलाओं ने सहभागिता निभाई। कोर्डिनेटर मृदला पाटनी ने बताया कि यह बस एक इवेंट नहीं था ; यह सशक्तिकरण 'वूमेन एंपावरमेंट' की दिशा में एक मजबूत कदम था। यह पहल महिलाओं के लिए क्रिएटिव पहल थी, जिसमें गृहिणियों और कामकाजी महिलाएं सहित सभी क्षेत्रों की महिलाओं को समय निकालने का प्रेरणा दी। कोडीर्नेटर नीतू जैन मुल्तान ने बताया कि इस प्रोग्राम का केवल मंच प्रदान करने से नहीं अपितु लीग समर्थन और प्रोत्साहन के वातावरण का निर्माण करने का उद्देश्य था, जहां महिलाओं ने स्वतंत्रता से अपने आत्मा और कला को व्यक्त किया। प्रोग्राम के सूत्रधार विनित चांदवाड एवं कोर्डिनेटर प्रेरणा चंदरानी के मुताबिक प्रोग्राम में युवतियों एवं महिलाओं के रजिस्ट्रेशन के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं थी।

सुदर्शनोदय अतिशय क्षेत्र आंवा में हुआ चक्रवर्ती विवाह संपन्न

शाबाश इंडिया। पूज्य मुनि पुंगव तीर्थ चक्रवर्ती श्री सुधा सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से सुदर्शनोदय तीर्थ आवा में दूनी निवासी ज्ञानचंद अनीता बज के सुपुत्र अश्विनी जैन का विवाह फुलेरा निवासी महावीर प्रसाद बड़जात्या की सुपुत्री भूमिका के साथ आदि पुराण में वर्णित जैन विवाह विधि के अनुसार चक्रवती विवाह संपन्न हुआ। सर्वप्रथम प्रातः काल की मंगल बेला में वर वधु पक्ष की ओर से शांतिनाथ भगवान का अभिषेक व शांति धारा का आयोजन हुआ। इसके बाद श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के विद्वान पंडित संजय शास्त्री के निर्देशन एवं स्थानीय विद्वान पंडित आर्जव शास्त्री के सहयोग से पंच परमेष्ठी विधान संगीत की स्वर लहरियों के साथ संपन्न हुआ। इसमें दोनों पक्षों के महानुभावों ने भाग लिया। तदुपरांत हवन के साथ भगवान शांतिनाथ के समक्ष मांगलिक विवाह क्रियाएं संपन्न हुई। विदुषी श्रीमती मंजूलता छाबड़ा ने बताया कि इसके पश्चात वर वधू ने तीर्थ यात्रा हेतु प्रस्थान किया एवं मध्य प्रदेश के पथरिया में विराजित पूज्य मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं रात्रि भोजन का त्याग किया। विवाह की समस्त क्रियाएं दिन में ही संपन्न हुई।

विधानसभा अध्यक्ष ने किया डॉक्टर रामस्वरूप उपाध्याय की पुस्तकों का विमोचन

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। चंबल की धरा के सांस्कृतिक महत्व को अपने लेखन के जरिए देश भर में आमजन के सामने लाने वाले इलाके के वरिष्ठ साहित्यकार लेखक रामस्वरूप उपाध्याय सरस की पुस्तक चंबल की महान विभूतियां एवं मेरी आत्मकथा का विमोचन एक समारोह में मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर एवं सांसद शिवमंगल सिंह तोमर द्वारा रतन वाटिका में किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि चंबल की महान विभूतियां पुस्तक देश-विदेश में यहाँ के गौरवशाली इतिहास , महान व्यक्तित्व व संत महंतों के प्रामाणिक परिचय के रूप में जानी जाएगी। इस पुस्तक से लोगों को बेहतरीन जानकारी मिलेगी, पुस्तक की सामग्री से जाहिर होता है कि लेखक ने इसके लेखन में कितनी मेहनत की है। चंबल की महान विभूतियों पर आधारित यह पुस्तक हमें अपनी संस्कृति और पूर्वजो के बारे में अवगत कराती है। उन्होंने कहा कि लेखक रामस्वरूप उपाध्याय सरस ने बहुत से विशिष्ट कार्य किये है वह वर्षों से चंबल के उज्वल पक्ष को आम जन के सामने लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। तोमर ने आम जनमानस से कहा कि रामस्वरूप उपाध्याय सरस द्वारा चंबल की खूबसूरती को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का कार्य वर्षों से किया जा रहा है और इसके साथ ही उनके द्वारा दुनिया को यह भी बताया जा रहा है कि चंबल डकैतों की नहीं क्रांतिकारियों की ओर महान हस्तियों की धरती रही है। सांसद शिव मंगल सिंह तोमर ने कहा कि इस पुस्तक से चंबल में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। लोगों को अनगिनत मंदिरों और उनसे जुड़ी लोक गाथाओं के बारे में पता चलेगा। साथ ही महान व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त होगा।

मुनि श्री 108 समत्वसागर जी मुनि श्री 108 शीलसागर जी मुनिराज को श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा, कमेटी ने श्री फल भेट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चोमू बाग सांगानेर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महा मुनिराज के शिष्य मुनि श्री 108 समत्वसागर जी मुनि श्री 108 शीलसागर जी मुनिराज को श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा, जयपुर में अल्प प्रवास हेतु दिनांक 20.06.2024 को श्रीफल चढ़ाकर प्रबंधकारिणी समिति एवं महिला मण्डल दुगार्पुरा जयपुर निवेदन कियो मुनि श्री ने दिनांक 24.06.2024 से 27.06.2024 तक अल्प प्रवास की स्वीकृति प्रदान कर अनुगृहित किया। श्रीफल भेंट करने में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़, मंत्री राजेन्द्र काला, उपाध्यक्ष सुनील संगही, कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल, संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल, त्यागी व्रती व्यवस्था मंत्री महेन्द्र सेठी, सम्मानित सदस्य जयकुमार जैन, महिला मण्डल अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया, मंत्री रानी सोगानी, छवि जैन, माया संगही उपस्थित रहे।

चित्तौड़ के बद्रीनाथधाम में विराजीं माँ कामाख्या

उदयपुर. शाबाश इंडिया। चित्तौड़गढ़ के मींढकिया महादेव क्षेत्र में निर्माणाधीन बद्रीनाथ धाम में कामाख्या माँ की प्रतिमा स्थापित की गई। मेवाड़ धर्म प्रमुख एवं चित्तौड़गढ़ धर्मांसद अधिकारी श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी ने बताया कि कामख्या कामेश्वरी माँ की प्रतिमा स्थापना बुधवार को यज्ञ आहुतियों एवं मंत्रोच्चार के बीच बद्रीनाथ धाम में निर्मित स्थल पर की गई। इस स्थान का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ नगरी मध्यमिका धोरेड़िया गांव के समीप मनोरम अरावली पर्वतमाला की गोद में मेंढकिया महादेव वन के समीप स्थित इस पवित्र स्थल की महिमा अद्भुत है, जो पाण्डव काल से ही भगवान श्रीकृष्ण की रात्रि विश्राम स्थली रहा है। जहां 350 नागाओं की पवित्र समाधियां हैं। अब इसी पावन भूमि पर निमार्णाधीन बद्रीनाथ धाम मंदिर में भक्तों को माँ कामख्या के अद्भुत एवं अलौकिक दर्शन प्राप्त होंगे। स्वयंभू प्रकट प्रतिमा के दर्शन 26 जून से प्रारम्भ होंगे। क्योंकि मानसून के समय जब असमीया माह अहर चलता है, उस समय 22 जून से 3 दिनों के लिए कामाख्या देवी रजस्वला होती हैं।

सांसद कुमारी सैलजा ने अजीज प्रताप सिंह खोसा स्टेडियम में पौधारोपण किया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के नोहर रोड स्थित अंडर ब्रिज के पास अजीज प्रताप सिंह खोसा स्टेडियम में सिरसा से सांसद बनने के बाद पहली बार ऐलनाबाद पहुंचीं कुमारी सैलजा का पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। अपने धन्यवादी दौरे के दौरान कुमारी सैलजा अजीज प्रताप सिंह खोसा स्टेडियम पहुंचीं, जहां अजीज प्रताप सिंह खोसा फाउंडेशन के अध्यक्ष अमरपाल सिंह खोसा ने कुमारी सैलजा का स्वागत किया। कुमारी सैलजा ने स्टेडियम में पौधारोपण भी किया और मौके पर मौजूद पार्टी कार्यकताओं को और अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अजीज प्रताप सिंह खोसा फाउंडेशन द्वारा इस क्षेत्र के बच्चों के खेलने के लिए जो यह स्टेडियम बनाया गया है, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि ऐलनाबाद क्षेत्र में लंबे समय से खेल स्टेडियम की कमी थी जिसको अजीज प्रताप सिंह खोसा फाऊंडेशन ने पूरा किया है। कुमारी शैलजा ने कहा कि भविष्य में अगर उनसे किसी भी तरह के सहयोग की जरूरत पड़ेगी तो वह हमेशा तैयार हैं। स्टेडियम पहुंचने पर अध्यक्ष अमरपाल सिंह खोसा ने कुमारी सैलजा को सम्मानित किया। इस मौके पर फाउंडेशन के संरक्षक मलकीत सिंह खोसा, अध्यक्ष अमरपाल सिंह खोसा, नगर पालिका अध्यक्ष राम सिंह सोलंकी, जसपाल सिंह लाली, एडवोकेट सुरिंदर बंसल, धर्मपाल गुप्ता, रघबीर सिंह सग्गू, , जसपाल सिंह बराड़, कोच प्रह्लाद कुमार, बलदेव सिंह भिंडर, नितिन सोलंकी एवं अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।